ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -8

हिन्दी

पाठ - 4

प्रियतम

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

पाठ प्रवेश-

हमें अपनी ज़िम्मेदारियों को भली–भाँति निभाना चाहिए। अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करने में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं करनी चाहिए और न ही किसी के स्नेह व प्रेम पर संदेह ही करना चाहिए। प्रायः देखा जाता है कि कुछ लोग दूसरों में दोष ढूँढ़ते रहते हैं जो कि गलत है।

इस कविता के द्वारा कर्म की प्रधानता को महत्त्व दिया गया है। यह बताया गया है कि सत्कर्म करते हुए ईश्वर का थोड़ा–बहुत स्मरण भी कल्याणकारी है। ईश्वर भी उसी से प्रेम करता है जो अनावश्यक आडंबरों मे न पड़कर यथार्थ जीवन व्यतीत करता है तथा अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने कार्यों को निर्लिप्त भाव से करता रहता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जन्म बंगाल की महिषादल रियासत (जिला मेदिनीपुर) में माघ शुक्ल ११, संवत् १९५५, तदनुसार २१ फ़रवरी, सन् १८९९ में हुआ था। वसंत पंचमी पर उनका जन्मदिन मनाने की परंपरा १९३० में प्रारंभ हुई। ... **निराला** की शिक्षा हाई स्कूल तक हुई। बाद में हिन्दी संस्कृत और बाङ्ला का स्वतंत्र अध्ययन किया।

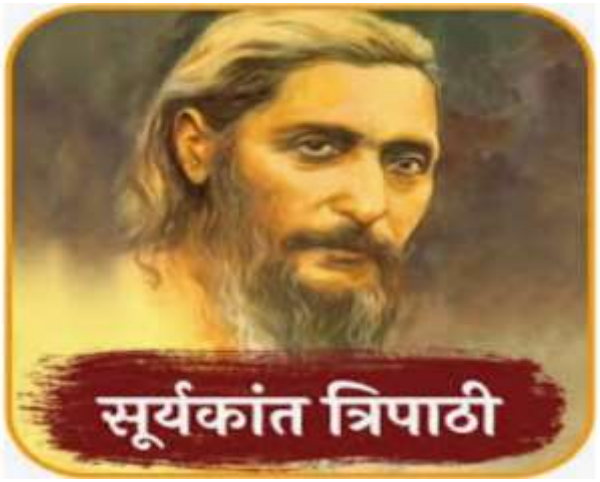

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिंदी साहित्य जगत के अमर कवि हैं। इनका साहित्य हिन्दी साहित्य भंडार की अक्षय निधि है। इन्होंने अनेक प्रभावशाली कविताएं लिखी है; जैसे- भिक्षुक, मज़दूरनी, विधवा,जागो फिर एक बार, संध्या- सुन्दरी,सरोज स्मृति,राम की शक्तिपूजा तथा कुकुरमुत्ता आदि।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

छायावादी कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' द्वारा लिखी इस कविता की पृष्ठभूमि पौराणिक है। इस कविता में कवि ने नारद तथा विष्णु के पारस्परिक संवाद को काफ़ी तार्किक ढंग से व्यक्त किया है। एक दिन महर्षि नारद भगवान विष्णु के पास गए और उनसे पूछा कि क्या पृथ्वी पर भी आपका कोई ऐसा व्यक्ति है जो आपको बहुत अधिक प्यारा हो? नारद की यह बात सनकर विष्ण जी बोले—हाँ, एक किसान है। यदि तम चाहते हो तो परीक्षा ले सकते हो। महर्षि नारद मृत्यु लोक में उस किसान की परीक्षा लेने आए। वह किसान अपने काम में इतना व्यस्त था कि उसने सुबह, शाम और दोपहर में कुल तीन बार ही भगवान का नाम लिया। यह देखकर नारद काफ़ी भ्रमित हुए। वे भगवान् विष्णु के पास जाकर बोले—मैंने तो देखा कि उस किसान ने दिन भर में केवल तीन बार ही आपका नाम लिया। उसी समय विष्णु जी बोले—हे नारद! एक ज़रूरी काम करना है। बाद में हम इस पर चर्चा करेंगे। यह तेल से भरा पात्र लेकर भूमंडल की परिक्रमा करके वापस आइए। हाँ, इतना ज़रूर ध्यान रखना कि इसमें से एक बूँद तेल ज़मीन पर गिरने न पाए। नारद शीघ्र ही विश्व-पर्यटन करते हुए बैकुंठ लोक में भगवान विष्णु के पास वापस आए और बताया कि इसमें से एक बूँद तेल भी नहीं गिरा है। नारद की यह बात सुनकर विष्णु जी बोले यह तो आपने ठीक किया लेकिन यह बताइए कि मेरा नाम कितनी बार लिया। नारद बोले, "काम भी तो आपका ही कर रहा था। नाम लेने का समय ही नहीं मिला।" इस बात को सुनकर विष्णु जी बोले उस किसान को भी मैंने एक साथ कई काम सौंपे हैं। विष्णु की यह वाणी सुनकर नारद काफ़ी लज्जित हुए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow